ALIF LAAM MEEM
A PUBLICATION OF
MS RESEARCH FOUNDATION

हिंदी सीखो

पाठमाला

७

TERM - 2

एकीकृत मूल्य आधारित पाठ्यक्रम

मिल्लत फ़ाउंडेशन

फ़ॉर एजूकेशन रिसर्च एंड डेवलपमेंट

MFERD

देखांकरण

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 के परिच्छेद

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा २००५ का संग्रहित विश्लेषण

यह एक तथ्य है कि शिक्षा प्राप्ति के जो तरीक़े अपनाए गए हैं वे छात्रों एवं माता-पिता पर बोझ बनते जा रहे हैं। इस लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा २००५ ने पाँच मार्गदर्शक नियमों का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है।

(i) शिक्षा को पाठशाला के बाहर की दुनिया से जोड़ना ।
(ii) सीखते समय रटने की विधि के हटाने को सुनिश्चित बनाना।
(iii) पाठ्य पुस्तकों के अतिरिक्त पाठ्यक्रम की समृद्धि
(iv) परीक्षा को लचकदार बनाना और कक्षा को जीवन से जोड़ना
(v) संवेदना पूर्ण पोषण एवं चिन्ताशील लोकतंत्र की सुरक्षा के लिए पहचान बनाना।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूप रेखा २००५ शिक्षात्मक दृष्टि से।

एक बहुसांस्कृतिक समाज को शिक्षा, मूल्य, मानवता सहनशीलता तथा शांति को बढ़ावा देने योग्य होना चाहिए। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूप रेखा के भीतर एक ऐसा ढांचा तत्पर किया गया है जो अध्यापकों और पाठशालाओं के अनुभव को प्रयोग में लाते हुए छात्रों की सोच के अनुरूप हो।

इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए पाठ्यक्रम अनुभव के आधार पर तैयार होना चाहिए। परन्तु इस के मुख्य प्रश्न कुछ इस प्रकार हैं।

(i) क्या पाठशाला शिक्षात्मक उद्देश्य को वांछित रूप से पूरा करने का प्रयास कर रहा है?
(ii) शिक्षात्मक उद्देश्य की प्राप्ति हेतु क्या अवलोकन किया जाना चाहिए।
(iii) इन शिक्षात्मक अवलोकनों को भाववाहक ढंग से किस प्रकार संगठित बनाया जा सकता है?
(iv) वांछित शिक्षात्मक उद्देश्य के समापन को किस प्रकार सुनिश्चित बनाया जाए?

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूप रेखा २००५ के शिक्षात्मक मार्गदर्शक नियम

बढ़ती आयु के साथ-साथ बालक अपने वातावरण से प्राकृतिक रूप से भिन्न कौशल प्राप्त कर लेते हैं। इस के अतिरिक्त वे अपने आस-पास के वातावरण और जीवन का भी अनुसरण करते हैं। जब वे कक्षा में प्रवेश करते हैं तो उन के प्रश्न पाठ्यक्रम को स्थिर और अधिक रचनात्मक बना सकते हैं। ऐसे सुधार स्वीकृत पाठ्यक्रम नियमों के चलन में सहायक होते हैं जो ज्ञात से अज्ञात, तथ्य से कल्पना तथा क्षेत्रीय से वैश्विक की ओर ले जाते हैं।

एम एफ़ ई आर डी की पुस्तकें राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूप रेखा के मार्गदर्शक नियमों पर तैयार की गई हैं। हम चाहते हैं कि NCF की ओर से बनाए गए शिक्षात्मक उद्देश्य के कार्यान्वयन में न केवल हमारे छात्र अपनी पूर्ण भूमिका निभाएँ बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में ईमानदार तथा उत्तरदायी नागरिक बनें । हम गंभीरता एवं विश्वास के साथ इस पाठ्यक्रम पर चले तो छात्रों का व्यक्तित्व निखरेगा जो आगे चल कर दूसरों के लिए सर्वश्रेष्ठ मार्गदर्शन सिद्ध होगा।

एम.एफ़.ई.आर.डी के दृष्टिकोण को जानने हेतु कृपया आप पुस्तक के पिछले पृष्ठ का अध्ययन करें।

परिचय

मिल्लत फ़ाउंडेशन फॉर एजूकेशन रिसर्च एंड डेवलपमेंट एक संगठन है जो प्रसार, समन्वय, सहयोग, सहकारिता एवं मुस्लिम शैक्षिक संस्थाओं को एक सार्वजनिक मंच प्रदान करने हेतु स्थापित किया गया है। इस प्रकार इस्लामी संविधान की सीमाओं में रहते हुए शैक्षिक मैदान में व्यक्तिगत एवं संस्थाओं द्वारा उत्कृष्टता प्राप्त करना है।

एम.एफ.ई.आर.डी का उद्देश्य शोध एवं विकास के माध्यम से भिन्न प्रकार की ऐसी चुनौतियों को संबोधित करना एवं उनका समाधान खोजना है जिनका शैक्षिक संगठन सामना कर रहे हैं। इस का एक प्रमुख कार्यक्रम पाठशाला तथा विद्यालय के लिए मूल्य पर आधारित पाठ्यक्रम तत्पर करना है जो भविष्य की पीढ़ी को विशिष्टता के लिए तैयार कर सके।

पाठ्यक्रम सीखने एवं अनुभव करने हेतु जिस के माध्यम से छात्र शिक्षाविदों, गतिविधियों, सीखने के वातावरण, मूल्यांकन, पारस्परिक वार्तालाप जैसे समूह कार्य छात्र अध्यापकों के साथ पाठशाला में प्रवेश के पश्चात से बाहर आने तक करता है। कई वर्ष बच्चे के मनोविज्ञान, शिक्षा में इस्लामी परिप्रेक्ष्य एवं भिन्न पाठ्यक्रमों की समीक्षा के पश्चात् एम.एस रिसर्च फ़ाउंडेशन ने मूल्य पर आधारित पाठ्यक्रम बनाया है जो राष्ट्रीय पाठ्यक्रम ढांचे एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के अनुकूल है। यह बच्चों के संपूर्ण विकास, स्वयं की पहचान, समय की आवश्यकता तथा उस को भविष्य का मार्ग-दर्शक बनाने में सहयोग देगा।

निम्नलिखित पर आधारित

- उद्देश्य इस्लाम, मनोविज्ञान, शिक्षा तथा हितैशियों के अनुसार।
- पाठ्य-विवरण आयु तथा सरकारी स्तर के अनुकूल।
- कार्यप्रणाली जो छात्र केंद्रित तथा विषय के उपयुक्त साधन में अध्यापकों का प्रशिक्षण, शिक्षण में सहयोगी सामग्री एवं शिक्षक का मार्ग-दर्शन शामिल है।

- मूल्यांकन - रचनात्मक, योगात्मक, स्वयं, सह-शैक्षिक, व्यवहारवादी एवं दीर्घकालिक।
- गतिविधियाँ - पाठ्यक्रमिक, सह-पाठ्यक्रमिक तथा अतिरिक्त पाठ्यक्रमिक, आयोजन के लिए दिशा निर्देशन के साथ।
- समय बद्धता - तिथिपत्र, दिन-वर्ष की योजना, काम का बोझ, अवधि विभाजन तथा प्रतियोगिताएँ।
- अवलोकन - प्रतिक्रिया एवं अनुसंधान।

सेन्ट्रल अकेडमी फ़ॉर रिसर्च एंड डेवलपमेंट (CARD)

(केन्द्रित प्रशिक्षण शाला विकास एवं शोध खंड) की स्थापना परियोजना बनाने, प्रशिक्षण देने तथा विभिन्न पाठशालाओं के सभी स्तरों पर पाठ्यक्रम के कार्यान्वयन के निरीक्षण हेतु की गई है।

विषय सूची

क्रम.	पाठ का नाम	पृष्ठ-संख्या
पाठ - 8.	स्वर्ग की रानी.....	1 - 7
पाठ - 9.	भाई भुलक्कड़ (कविता).....	8 - 11
पाठ - 10.	पछतावा	12 - 17
पाठ - 11.	पेड़ लगाएँ (कविता).....	18 - 21
पाठ - 12.	टीपू सुल्तान.....	22 - 27
पाठ - 13.	अंजान व्यक्ति	28 - 33
पाठ - 14.	बरसात (कविता)	34 - 38
पाठ - 15.	आओ गिनती पढ़ें (कविता).....	39 - 42
	पत्थर कौन रखे (केवल पठन हेतु)....	43 - 46

भाषा की योग्यता और कौशल

क्रं. सं.	पाठ का नाम	सुन्ना बोलना और समझना	अध्ययन (पढ़ना)	लिखना	शब्द कोष	व्याकरण	मूल्य
8.	स्वर्ग की रानी (प्रेरक प्रसंग)	बीबी फ़ातिमा की हमदर्दी सहनशीलता संयम और उदारता के संबंध में बताइए।	मौन वाचन द्वारा बच्चों को पाठ समझाइए।	प्रश्नोत्तर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।	नए शब्द बताना ज-ज़ फ-फ़ का ज्ञान कराना एवं संयुक्त अक्षरों की पहचान कराइए।	विलोम शब्द नए शब्दों का परिचय कराइए।	बीबी फ़ातिमा की उदारता का परिचय एवं बीबी फ़ातिमा की तसबीह का महत्व। क्रियाकलाप
9.	भाई भुलक्कड़ (कविता)	भूल से संबंधित छोटी छोटी सीख देना, उसके बुरे परिणाम पर प्रकाश डालना।	कविता को हाव भाव एवं रोचक ढंग से पढ़ें एवं कुछ छात्रों से भी पढ़वाएँ।	कठिन शब्द हाँ या नहीं	कठिन शब्दों का अर्थ समझाना ड़ ग़ ज़ का ज्ञान देना।	मिलते जुलते बिंदी एवं बिना बिंदी शब्दों के प्रति बताना	भूल से होने वाले बुरे परिणाम का ज्ञान देना।
10.	पछतावा	बुरी आदतों से बचना चोरी न करने के संबंध में बताना एवं गाँधी जी के बारे में बताते हुए पाठ को समझाइए।	पाठ को प्रभावशाली ढंग से विराम चिह्नों का प्रयोग करते हुए पढ़ना और पढ़वाना।	शब्द बल, प्रश्नोत्तर रिक्त स्थान हाँ या नहीं।	शब्दों का अर्थ भिन्न-भिन्न तरीक़े से बताइए।	विलोम शब्द अनुनासिक	बुरी आदतों और चोरी के बारे में बताना एवं प्रायश्चित का महत्व बताइए।
11.	पेड़ लगाएँ	पेड़ लगाने एवं पेड़ की रक्षा करने के बारे में बताना पेड़ पौधों से होने वाले लाभ से परिचित कराइए।	कविता को हाव-भाव और लय से पढ़ना और कुछ छात्रों से पढ़वाना।	कठिन शब्द ख़ाली स्थानों को भरवाइए।	शब्दों के अर्थ का ज्ञान दीजिए।	---	पेड़ों का महत्व एवं उन से होने वाले लाभ समझाना। क्रियाकलाप
12.	टीपू सुल्तान	टीपू सुल्तान की वीरता, साहस और बुद्धिमानी की चर्चा करना, प्रजा एवं देश के लिए सड़कें इमारतों के निर्माण पर बातचीत करवाइए।	पाठ के कठिन शब्दों को उचित पढ़वाना। पढ़ते समय ध्वनि पर बल देना।	प्रश्नोत्तर, ख़ाली स्थानों को भरना श्रुतलेख।	नये शब्दों का ज्ञान कराना एंव कठिन शब्दों को वाक्यों द्वारा समझाना उर्दू के शब्दों का बिंदी द्वारा प्रयोग कराइए।	पर्यायवाची शब्द सर्वनाम	एतिहासिक पुरुषों का परिचय, प्रजा प्रेम देशोद्धार की भावना। क्रियाकलाप
13.	अंजान व्यक्ति (प्रेरक प्रसंग)	पाठ द्वारा छात्रों को अंजान व्यक्तियों से मिलने वाले कुपरिणाम से परिचित कराना।	पाठ को पढ़ते समय विराम चिह्नों के प्रयोग पर बल देना।	प्रश्नोत्तर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।	कठिन शब्दों के अर्थ उदाहरण देते हुए बताना शब्द भण्डार में वृद्धि करना।	विलोम शब्द।	हमें अंजान व्यक्तियों से होशियार रहना चाहिए। क्रियाकलाप
14.	बरसात (कविता)	बरसात के मौसम की चर्चा करते हुए छात्रों से मौखिक रूप में प्रश्न करेंगे।	कविता को आरोह अवरोह के साथ पढ़वाना एवं ध्वनि पर बल देना।	प्रश्नोत्तर, ख़ाली स्थानों की पूर्ति।	विभिन्न उक्तियों द्वारा शब्द के अर्थ का ज्ञान।	विलोम शब्द जोड़कर लिखाइए।	बरसात के मौसम की विशेषताओं पर प्रकाश डालना। क्रियाकलाप
15.	आओ गिनती पढ़ें (कविता)	कविता को आरोह अवरोह से पढ़ना एवं लघु प्रश्नों द्वारा समझाना और कविता याद कराना।	कविता को सुचारू रुप और लय के साथ पढ़वाना ।	दिशाओं को चित्र द्वारा लिखाना सच के फ़ायदे द्वारा कुछ शब्दों का ज्ञान देना।	कठिन शब्दों के अर्थ का ज्ञान कराना दिशाओं का ज्ञान सच के फ़ायदे बताइए।	---	दिशाओं और अंगों का परिचय अल्लाह की बड़ाई। गिंती अंकों और अक्षरों में
	पत्थर कौन रखे (विशिष्ट व्यक्तित्व)	नबी की हदीसों एवं लघु लघु कहानियों की चर्चा करना। मौखिक प्रश्नों द्वारा पाठ का ज्ञान देना।	शुद्ध उच्चारणों द्वारा पाठ को पढ़वाना एंव त्रुटियों को सुधारना	---	---	---	प्यारे नबी का इंसाफ़ आपसी एकता पर बल

8 स्वर्ग की रानी

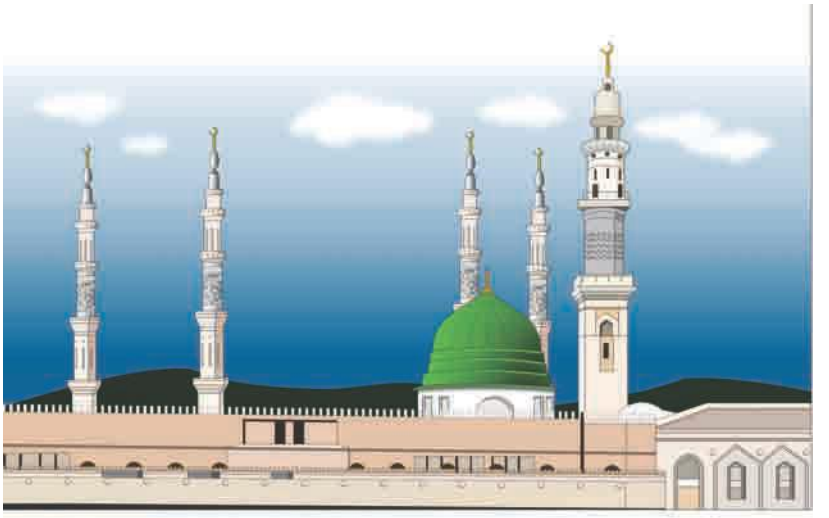

बीबी फ़ातिमा(رضی اللہ عنہا) नबी पाक(ﷺ) की सब से छोटी पुत्री थीं। हज़रत बीबी फ़ातिमा(رضی اللہ عنہا) की माता का नाम हज़रत ख़दीजा(رضی اللہ عنہا) था। फ़ातिमा(رضی اللہ عنہا) बचपन से ही बहुत बुद्धिमान, साहसी और सादगी पसंद थीं। वह अपनी माता की संगत में रहना अधिक पसंद करती थीं।

हज़रत फ़ातिमा(رضی اللہ عنہا) का मुख अपने माता-पिता से बहुत ज़्यादा मिलता था। नबी पाक(ﷺ) उन से बहुत प्रेम करते थे। वह भी नबी(ﷺ) से बहुत ज़्यादा प्रेम करतीं और नबी की सेवा करती थीं। लोगों के साथ सहानुभूति (हमदर्दी) रखती थीं। उन के दुख दर्द को अपने मन में अनुभव (महसूस) करतीं। यह सब बातें उन्होंने अपने पिता से सीखी थी। कोई भी माँगने वाला उन के द्वार से ख़ाली हाथ न जाता था। जब हज़रत फ़ातिमा(رضی اللہ عنہا) बड़ी हुईं तो नबी पाक(ﷺ) ने उनका विवाह शेरे - ख़ुदा हज़रत अली(رضی اللہ عنہ) से करवा दिया।

एक बार हज़रत अली(رضی اللہ عنہ) ने हज़रत फ़ातिमा(رضی اللہ عنہا) से कहा कि तुम चक्की पीसने, पानी लाने और घर का सारा काम करने के कारण थक जाती हो। तुम्हारे पिताजी के पास कुछ सेवक आए हुए हैं, क्यों न तुम अपनी सहायता के लिए उन से एक सेवक मांग लाओ।

हज़रत फ़ातिमा(رضی اللہ عنہا) नबी की सेवा में आईं। शर्म के कारण कुछ कह न सकीं और वापस लौट गईं। रात के समय नबी पाक(ﷺ) उनके घर तशरीफ़ लाए और पूछा, बेटी तुम क्यों आई थीं? हज़रत अली(رضی اللہ عنہ) ने पूरी बात बताई।

हुज़ूर ने फ़रमाया मैं तुम्हें इस से बढ़िया चीज़ बताता हूँ। वह यह है कि जब तुम रात को सोने लगो तो 33 बार सुबहानल्लाह, 33 बार अल्हम्दुल्लिलाह और 34 बार अल्लाहु अकबर पढ़ लिया करो। इसे पढ़ने से तुम्हारी दिन भर की थकान दूर हो जाएगी और यह मज़दूर से बढ़िया है। सभी मुसलमान बीबी फ़ातिमा(رضی اللہ عنہا) को स्वर्ग की रानी के नाम से याद करते हैं। उन का जीवन संसार की सभी महिलाओं के लिए उत्तम (बेहतरीन) उदाहरण है।

पाठ से सीख

बच्चो ! हमें अपने काम स्वयं करने चाहिए।

अपने कपड़े, बस्ता, जूते और मोज़े आदि यथा स्थान पर रखना चाहिए।

अध्यापन संकेत

१. (رضی اللہ عنہ) रज़ियल्लाहु अनहु, इस का अर्थ है अल्लाह उन से राज़ी और ख़ुश हुआ। बच्चों को इस का ज्ञान करायें।

२. पाठ को प्रभावशाली ढंग से पढ़ाएँ। विराम चिन्हों एवं शब्द उच्चारण को ध्यान में रखें।

३. बीबी फ़ातिमा(رضی اللہ عنہا) जन्नत की रानी हैं और उन के साहस, सादगी एवं उदारता के बारे में बताएँ।

४. बीबी फ़ातिमा(رضی اللہ عنہا) की तस्बीह का महत्व समझाएँ।

I. शब्दार्थ:

१.	पुत्री	बेटी	२.	साहसी	हिम्मत वाली
३.	संगत	साथ	४.	उत्तम	बेहतर
५.	अनुभव	महसूस	६.	सहानुभूति	हमदर्दी
७.	द्वार	दरवाज़ा			

II- प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

१. प्यारे नबी(स) की छोटी बेटी का नाम क्या था ?

२. बीबी फ़ातिमा (रज़ि) बचपन में कैसी थीं?

३. बीबी फ़ातिमा (रज़ि) का विवाह किस के साथ हुआ ?

४. हज़रत अली(रज़ि) ने बीबी फ़ातिमा को नबी से क्या माँगने को कहा?

५. प्यारे नबी ने बीबी फ़ातिमा(रज़ि) को कौनसी तस्बीह बताई?

III. रिक्त स्थान को सही शब्द से भरिए।

स्वर्ग	हमदर्दी	सेवा	प्रेम	हज़रत ख़दीजा

१. हज़रत फ़ातिमा(रज़ि) की माता का नाम _____ था।

२. नबी पाक उनसे बहुत _____ करते थे।

३. हज़रत बीबी फ़ातिमा(रज़ि) नबी(स) की _____ में आईं।

४. सारे मुसलमान हज़रत फ़ातिमा(रज़ि) को _____ की रानी के नाम से याद करते हैं ।

पर्यायवाची शब्द

IV- **परिभाषा:** एक ही वस्तु को कई नामों से जाना जाता है। उन शब्दों को 'समानार्थक' या पर्यायवाची शब्द कहते हैं।

जैसे : माँ = माता, अम्मा

वृक्ष से ढूँढ कर पर्यायवाची शब्द लिखिए।

सेवक = ☐ ☐

रात = ☐ ☐

पानी = ☐ ☐

घर = ☐ ☐

मन = ☐ ☐

V. **लिंग**

परिभाषा : स्त्री जाति या पुरूष जाति की पहचान कराने वाले शब्दों को लिंग कहते हैं।

लिंग बदलिए ।

१. सेवक -

२. पुत्र -

३. बेटी -

४. माता -

५. स्त्री -

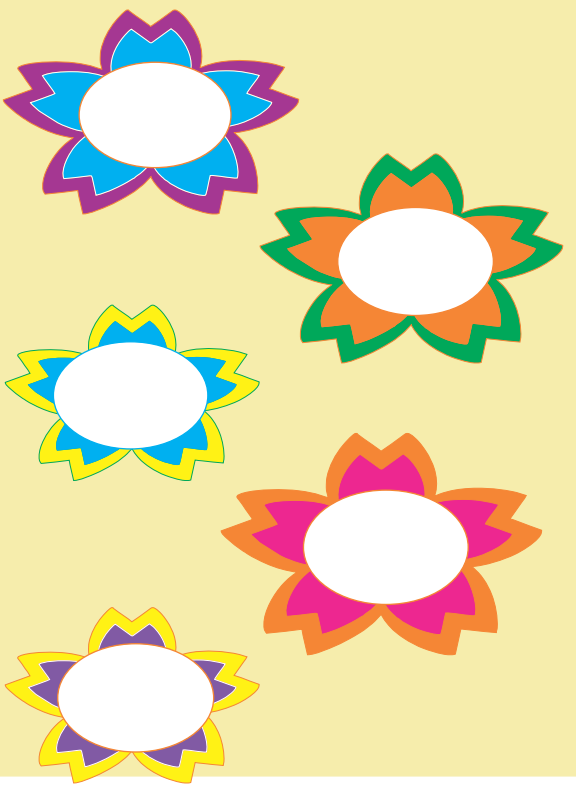

VI. **व्यक्तित्व का विकास**

आप को पाठशाला में परियोजना कार्य करने के लिए दिया जाए तो आप क्या करेंगे ?

क - आप परियोजना कार्य नौकर से बनवाएँगे ?

ख - आप परियोजना कार्य माताजी या बहन से बनवाएँगे ?

ग - आप स्वयं परियोजना कार्य को बनाने का प्रयास करेंगे ?

अध्यापन संकेत

अध्यापक संकेत: शब्द मिलान करने में छात्र की सहायता करें।

VII. क्रियाकलाप

स्त्रीलिंग शब्द को पुल्लिंग शब्द से मिलाइए।